2 large helicopters. The two large helicopters are on lease from a private party. One medium helicopter has been leased directly by ONGC from a private operator, to meet the shortfall which occurred in 1994-95 and also as a strategy to have an alternative source for helicopter services.

(c) Pawan Hans is making a marginal profit on the two large helicopters provided to ONGC through a private party.

(d) Yas Sir.

(e) During the current year, in addition to the two helicopters to be delivered by end of October, 1996, the Company is planning to acquire four more heavy duty helicopters. During the IXth Plan, the company proposes to acquire 4 light and 7 medium helicopters.

(0 Does not arise.

शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार हेतु प्रदान किए गए ऋणों की वसूली

2896. श्री एस.एस. सुरजेवाला:
श्री अजीत जोगी:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या शिक्षित बेरोजगार को स्वरोजगार प्रदान करने हेतु स्वरोजगार योजना के अंतर्गत वितरित किए गए ऋणों की वसूली आशा के अनुरूप हो रही है और क्या गत दो वर्षों के दौरान विभिन्न राज्यों में वसूल की गई राशि अपेक्षा के अनुसार है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार ने इस योजना की पुनरीक्षा की है और इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) प्रधान मंत्री रोजगार योजना के अंतर्गत दिए गए ऋणों के आधार पर वास्तव में कितने व्यक्ति रोजगार में लग गए हैं?

वित्त मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम): (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि 31 मार्च, 1996 तक 49 बैंकों में से 37 बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, शिक्षित बेरोजगार युवकों के संबंध में प्रधान मंत्री रोजगार योजना (पी.एम.आर.वाई.) के अन्तर्गत 49.3 प्रतिशत की वसूली हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी सूचित किया है कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर की अध्यक्षता में गठित मानीटरिंग कक्ष द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार योजना के अन्तर्गत हुए वसूली-निष्पादन का पुनरीक्षण किया गया था। यह पाया गया कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किए परवर्ती नमूना क्षेत्रीय अध्ययनों द्वारा यथानिर्धारित वसूली-निष्पादन से कमी का रुख देखने में आया है।

(ग) प्रधान मंत्री रोजगार योजना के अन्तर्गत उद्योगों/सेवाओं/व्यापार क्षेत्रों में स्व-रोजगार उद्यम स्थापित करने के लिए व्यक्तियों/भागीदारों को ऋण प्रदान किए जाते हैं। जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है, गत तीन वर्षों के दौरान दिए गए ऋणों की संख्या इस प्रकार है:--

वर्ष	लक्ष्य	स्वीकृत मामलों की संख्या	लक्ष्य की दृष्टि से उपलब्धि का प्रतिशत	जिन मामलों में भुगतान किया जा चुका है उनकी सं.	स्वीकृति वाले मामला में से भुगतान किए गए मामलों की सं.
1993-94	42040	29601	70.41	18859	63.7
1994-95	299212	182552	76.31	109709	60.1
1995-96	321380	275513	85.73	162998	59.2